



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 251]

नई दिल्ली, सोमवार, जून 1, 1992/ज्यैष्ठ 11, 1914

No. 251]

NEW DELHI, MONDAY, JUNE 1, 1992/JYAISTHA 11, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जल भूतल परिवहन मंत्रालय

(परतन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 जून, 1992

सा. का. नि. 570 (अ).—भारतीय परतन अधिनियम 1908 (1908 का 15) की धारा 33 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के राजपत्र की अधिसूचना सं. सा. का. नि. 105 (इ) दिनांक 18-2-1992 के आगे, केन्द्र सरकार, सरकारी राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन से साठ दिन की अवधि समाप्त होने से अगले दिन से, उक्त अधिनियम की प्रथम अनुसूची में निम्नलिखित परिवर्तनों को अर्थात्, उक्त अधिनियम की प्रथम अनुसूची के भाग 1 में तत्सुकुडि परतन से संबंधित प्रविष्टियों को निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जाए अर्थात् :—

परतन का नाम आदेय जहाज	प्रति एन आर टी परतन शुल्क की दर रुपयों में	प्रति एन आर टी परतन शुल्क की दर यू एस डालर में	उसी जहाज पर सामान्यतया कितने समय बाद आदेय
(1)	(2)	(3)	(4)
तत्सुकुडि—15 टन तथा उससे अधिक के समुद्रगामी जहाज	—		परतन के भीतर प्रत्येक प्रवेश पर प्रभार देय है
(क) विदेशी जहाज		0.4755 डालर से अधिक	
(ख) सटीय जहाज			

(2)	(2)	(3)	(4)
(1) जहाज/स्टीमर	रु. 10 - से अधिक नहीं	—	यह प्रभार 60 दिन में एक बार देय होता है अर्थात् कि उक्त 60 दिन की अवधि के दौरान एक बार दिया गया प्रभार पत्तन में केवल तीन बार प्रवेशों के लिए वैध होता है। (उस प्रवेश सहित जिस में भुगतान किया गया था।)
(2) सेलिंग वेस्सल	रु. 10 - से अधिक नहीं	—	पत्तन पर प्रभार के भुगतान से जहाज को 60 दिन की अवधि के लिए फिर प्रभार की बेयता से छूट मिलेगी।

[फा. सं: पी. आर.-14012/7/92-पी. जी.]

अशोक जोशी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, 1st June, 1992

G.S.P. 570(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 33 of Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), and in continuation of the Notification No. G.S.R. 105(E), dated 18-2-1992 in the Government of India Gazette, the Central Government hereby makes with effect from the day following the expiration of sixty days from the date of publication of the notification in the Official Gazette, the following alterations in the first Schedule to the said act, namely, in Part I of first Schedule to the said Act for entries relating to the Port of Tuticorin the following entries shall be substituted, namely.

Name of Port Vessels Chargeable	Rate of Port Dues per NRT in Rs.	Rate of Port Dues per NRT in US \$	Due how often chargeable in respect of the same vessel
Tuticorin			
Sea-going vessels of 15 tons and upwards.			
(a) Foreign Vessels	—	Not exceeding 0.4755 \$	The dues are payable on each entry within the Port.
(b) Coasting Vessels.			
(i) Ship/Steamers.	Not exceeding Rs. 10/-	—	The due is payable once in 60 days provided the payment of the dues once made shall be valid only for 3 entries. (including the entry on which the payment was made) during the said period of 60 days.
(2) Sailing Vessels.	Not exceeding Rs. 10/-	—	The payment of the due at the Port will exempt the vessel for the period of 60 days from the liability to pay the due again.

[File No. PR-14012/7/92-PG]

ASHOK JOSHI, Jt. Secy

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 जून, 1992

सा. का. नि. 571 (प्र) भारतीय पत्तन अधिनियम 1908 (1908 का 15) की धारा 35 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और दिनांक 18-2-1992 को, भारत सरकार, जल मूल परियोजना मंत्रालय (पत्तन पक्ष) की अधिसूचना सा.का.नि. सं. 103(क) में प्रकाशित तूतुकुडि पत्तन के पायलटेज और अन्य सेवाएं (शुल्क) आदेश 1991 के आगे, तूतुकुडि पत्तन में पायलटेज और अन्य सेवाओं के लिए शुल्क की वसूली को विनियमित करने के लिए केन्द्र सरकार निम्न लिखित आदेश बनाती है, अर्थात् :—

आदेश

(क) संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :—

(i) यह आदेश तूतुकुडि पत्तन पायलटेज और अन्य सेवाएँ (शुल्क) आदेश, 1992 कहा जाएगा।

(ii) यह इसके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होगा।

(ख) परिभाषाएँ :—

(i) "पत्तन" से तूतुकुडि पत्तन का क्षेत्र "क" अभिप्रेत है।

(ii) "तटीय जहाज" से वह जहाज या स्टीमर अभिप्रेत है, जो यात्रियों अथवा माल को भारत में किसी अन्य पत्तन अथवा स्थान से भारत में किसी अन्य पत्तन अथवा स्थान अथवा स्थान तक समुद्र के रास्ते लाने, ले जाने के काम में लगा हो।

(iii) "विदेशी जहाज" से उस जहाज अथवा स्टीमर अभिप्रेत है, जो भारत में किसी पत्तन अथवा स्थान के बीच तथा भारत से बाहर के पत्तनों अथवा स्थानों के बीच व्यापार कार्य में लगा हो।

(ग) पायलटेज, मूरिंग अथवा अनमूरिंग आदि के लिए शुल्क :

(i) बंदरगाह के अंदर या बाहर जहाजों के पायलटिंग के लिए लेवी किये जाने वाला शुल्क, जिसमें पत्तन के पायलटों की सेवाएँ और कर्मियों के साथ उगों और जाँचों की सेवाएँ शामिल हैं, नीचे की अनुसूची में निर्दिष्ट दरों पर होगा।

अनुसूची

जहाजों का वर्गीकरण	यूनिट	देय शुल्क		न्यूनतम प्रभार	
		(भारत के रुपये में)	(यू.एस.डालर में)	(भारत के रुपये में)	(यू.एस.डालर में)
(1) 3,000 जी आर टी तक	प्रति जी आर टी	रु. 4.50	0.22	रु. 9,000 प्रति जहाज	डालर 428.00 प्रति जहाज
(2) 3001 से 10000 जी आर टी तक	"	रु. 4.50	0.22	—	"
(3) 10001 से 15000 तक	"	रु. 4.80	0.23	—	—
(4) 15001 जी आर टी और ऊपर	"	रु. 4.80	0.23	—	—

(2) (i) विदेशी जहाजों से पायलटेज शुल्क उपरोक्त अनुसूची में निर्धारित यू.एस.डालर दरों के अनुसार लगाया जायेगा और जहाज के आगमन के दिनांक पर आर बी आई द्वारा अधिसूचित विनियम दरों के अनुसार भारतीय रुपये में वसूल किया जायेगा।

(ii) तटीय जहाजों से ऊपर निर्धारित दरों के 70 प्रतिशत पायलटेज शुल्क वसूल किया जायेगा।

(3) "किपिंग फीस" के लिए देय न्यूनतम पायलटेज प्रभार विदेशी जहाज के लिए यू.एस.डालर 66.60 और तटीय जहाजों के लिए रु. 1000 होगा।

(4) बंदरगाह के बाहर जहाज के मूरिंग, जब यह वहाँ प्रवेश नहीं करता या वहाँ से नहीं जाता, के लिए उपरोक्त अनुसूची के तहत देय के 25% के बराबर शुल्क वसूल किया जायेगा, जो न्यूनतम रु. 3200 तटीय जहाज के लिए और 152.20 यू.एस.डालर विदेशी जहाज के लिए होगा।

(5) जिन पायलटों की सेवायें मांगी गयी हैं, किन्तु जिसका उपयोग नहीं किया गया है, इस के लिए निम्नलिखित शुल्क वसूल किया जायेगा।

देय शुल्क		
	विदेशी जहाज	तटीय जहाज
पायलट के जहाज पर चढ़ने के बाद, जिन पायलटों की सेवायें मांगी गयी हैं, किन्तु जिनका उपयोग नहीं किया गया है।	यू एस डालर 40.45	रु. 570

टिप्पणी : (i) ऊपर निर्दिष्ट दरों पर नौकरी जहाजों के इनवार्ड और आउटवार्ड पायलटेज के लिए मांगपत्र रद्द करने के मामलों में शुल्क वसूल किया जाएगा, बल्कि हेवी लिफ्टों की स्थिति या किसी कारण से जहाजों के बर्थ से हटाने या रीमूरिंग या बर्थ में जहाज को मोड़ने या उसी बर्थ में जहाज को फिर से मूरिंग के लिए मांगपत्र रद्द किया जाता है।

(ii) इन मामलों में उपरोक्त शुल्कों का लेवी नहीं होगा।

(क) पायलट की नियुक्ति/जहाज पर चढ़ने के समय से कम से कम एक घंटा पहले प्राप्त रद्द करने की सूचना; और

(ख) जहाज के दोष रहित होने पर अपवाद स्वरूप परिस्थितियों में रद्द किया।

(6) विशेष शुल्क (डिटेन्शन शुल्क) :—

पहले घंटे या एक घंटे के भाग के लिए तटीय जहाज से रु. 570 और विदेशी जहाज से यू एस डालर 40.45 का शुल्क वसूल किया जाएगा। क्योंकि किसी पायलट को ऐसे जहाज पर चढ़ने के बाद टूटीकोरिन पोर्ट पर 30 मिनट के बाद जहाज पर प्रतिकारित रखा जाता है। बाद के ऐसे प्रत्येक घंटे या उसके अंश के लिए तटीय जहाज से रु. 190/- और विदेशी जहाज से यू एस डालर 13.80 की दर का डिटेन्शन शुल्क वसूल किया जायेगा।

(7) पायलट के कैरेज पर रहने के लिए शुल्क :—

अपरिहार्य कारणों से पायलट को लिए हुए जहाज को पत्तन सीमा से बाहर ले जाने की दशा में मास्टर को अगले तटदीक के पत्तन पर पायलट को छोड़ना पड़ेगा और मास्टर मालिक या उसका प्रतिनिधि उसकी वापसी और उससे जुड़ी सभी औपचारिकताओं के लिए जिम्मेदार होगा और उसे भोजन, आवास और अन्य उचित खर्चों का भुगतान करना होगा तथा इस प्रकार ले गये पायलट को वापस भोजना होगा। इसके अलावा पायलट के पत्तन पर वापस आने के बाद रिपोर्ट करने तक मास्टर को प्रति घंटा रु. 100 (यू एस डालर 4.76) की दर से मुआवजा देना होगा।

[फा. सं : पी. आर.—14012/7/92—पी. जी.]

अशोक जोशी, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st June, 1992

G.S.R. 571(E).—In exercise of the powers conferred by Sub Section 1 of Section 35 of the Indian Ports Act 1908 (15 of 1908) and in continuation of the Port of Tuticorin pilotage and other services (fees) order 1991 published in the Notification of the Government of India, MOST (Ports Wing) G.S.R. No. 103 (E) Dt. 18-2-1992, the Central Govt. hereby makes the following order for regulating the levy of fees for pilotage and other services in the Port of Tuticorin namely :—

ORDER

(a) Short Title and Commencement :—

(i) This order may be called the Port of Tuticorin Pilotage and other services (fees) order 1992.

(ii) It shall come into force from the date of publication.

(b) Definitions :

(i) 'Port' means Zone A of the Port of Tuticorin.

(ii) 'Coasting vessel' means a ship or a steamer which is engaged in the carriage by sea of passengers or goods from any port or place in India to any other port or place in India,

(iii) 'Foreign vessel' means a ship or steamer employed in trading between any port or place in India and other port or place or between ports or places outside India.

(c) Fees for Pilotage, Mooring or Unmooring, etc.

(i) The fees leviable for piloting vessels in and out of the Harbour which includes services of the Port's Pilots and the services of the tugs and launches with the crew shall be at the rates specified as schedule below :

SCHEDULE

Classifications of the vessels	Unit	Charges payable		Minimum charges
		In Indian Rupees	In U.S. Dollars	
(1) Upto 3000 GRT	Per GRT	4.50	0.22	Rs. 9000/- per ship.
(2) 3001 to 10000 GRT	-do-	4.50	0.22	U.S. Dollars 428.00 per ship.
(3) 10001 to 15000 GRT	-do-	4.80	0.23	
(4) 15001 GRT & above.	-do-	4.80	0.23	

(2) (i) The foreign vessel shall be charged pilotage charges at the rates in US \$ specified in the schedule above and the same collected in Indian Rupees at the exchange rates notified by RBI on the date of arrival of the vessels.

(ii) The costing vessel shall be charged pilotage charges at 70% of the rates specified above.

3. For Fishing Trawlers, the minimum pilotage charges payable shall be US \$ 66.60 for foreign vessels and Rs. 1000/- for coasting vessels.

4. For mooring a vessel outside the harbour when it does not enter or leave it, a fee equal to 25% of the charges payable under the above schedule shall be levied subject to a minimum of Rs. 3200/- for coasting vessels and US \$ 152.20 for foreign vessels.

5. In the case of pilots whose services have been requisitioned but not utilised, the following charges shall be levied namely :—

	Charges payable	
	Foreign vessel	Coasting vessel
Pilots whose services have been requisitioned but not utilised after the pilot has boarded a vessel.	US \$ 40.45	Rs. 570/-

Note :

(i) The charges at the rates specified above shall be levied not only in cases of cancellation of requisitions for inward and outward pilotage of vessels but also for the cancellation of requisitions for shifting of berth of vessels and remoooring or for turning a vessel around in her berth or for remoooring a vessel in the same berth due to position of heavy lifts or for any other reason.

(ii) The above charges are not leviable in case of :—

- Cancellations received at least one hour before the Pilot's appointed boarding time of the vessel, and
- Cancellations caused under exceptional circumstances for reason that could not be attributed to the vessels faults.

6. Special Charges (Detention Fees) :—

A free of Rs. 570/- in respect of coasting vessel and US \$ 40.45 in respect of foreign vessel shall be levied for first hour or part of an hour that a pilot is kept waiting on board any vessel at the Port of Tuticorin beyond 30 minutes after boarding such vessel. The detention fee for every subsequent hour or part thereof shall be levied at the rate of Rs. 190/- in respect of coasting vessel and US \$ 13.80 in respect of foreign vessel.

7. Fees for on Carriage of Pilot :—

In the vent of a vessel carrying a pilot outside the Port limits for unavoidable reasons the Master shall be bound to leave the Pilot at the next nearest port and the Master, owner or his representative shall be responsible for the repatriation and all connected formalities thereof and be also liable to pay all expenses incurred in the matter of boarding, lodging, other reasonable expenses and the repatriation of the pilot thus overcarried. In addition, compensation at the rate of Rs. 100/- (US \$ 4.76) per hour shall be payable by the Master of the vessel till the pilot reports back to duty at the Port.

[File No. PR-14012/7/92]

ASHOKE JOSHI, Jt. Secy.

जल भूतल और परिवहन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 जून, 1992

सा.का.नि. 572. (अ)---भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 34 के साथ पठित धारा 33 की उपधारा 1 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और जल भूतल परिवहन मंत्रालय की सूचना सा.का.नि. स. 104 (क) दिनांक 18-2-92 में भारत सरकार की अधिसूचना के आगे, वैश्वीय सरकार एतद्वारा निदेश देती है कि सरकार राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से साठ दिन समाप्त होने के अगले दिन से, जैसा कि इसके साथ संलग्न अनुसूची के कालम (1) में वर्णन किया गया है, तत्पश्चात् पत्तन के क्षेत्र "क" और क्षेत्र "ख" में प्रवेश करने वाले प्रत्येक जलयान पर उपर्युक्त अनुसूची के कालम (2) और (3) में समवर्ती प्रविष्टि में उल्लिखित दरों पर और कालम (4) में समवर्ती प्रविष्टि में उल्लिखित अंतराल पर पत्तन शुल्क वसूल किया जायेगा।

विदेशी जहाजों से पत्तन शुल्क अधिसूचित यू.एस. डालर दरों के अनुसार लगाया जायेगा और उसी को जहाज के आगमन के दिनांक पर आरबीआई द्वारा अधिसूचित विनियम दर के आधार पर भारतीय रुपयों में वसूल किया जायेगा।

अनुसूची---पत्तन शुल्क

प्रभार योग्य जलयान (15 टन और उससे अधिक के समूह में जाने वाले जलयानों)	प्रति एन आर टी टी पत्तन शुल्क की दर (भारत के रुपयों में)	प्रति एन आर टी टी पत्तन शुल्क की दर में (यू एस डालर में)	उसी जलयान के संबंध में अदायगी की प्रायिकता
(1)	(2)	(3)	(4)
क. 1000 टन या उससे कम अवतारण करने वाले जलयान :			
1. विदेशी जलयान :			
(क) जहाज/स्टीमर	—	0.10	पत्तन में प्रत्येक प्रविष्टि के लिए शुल्क देय है।
(ख) प्रवाही जलयान	—	0.08	
2. सटवर्ती जहाज			
(क) जहाज/स्टीमर	2.60	—	साठ दिनों में एक बार शुल्क अदा करना है वगैरह कि एक बार दिया गया शुल्क उपर्युक्त साठ दिनों की अवधि के दौरान पत्तन में केवल तीन बार का प्रवेश) उस प्रवेश सहित जिन को अदायगी की गयी थी) वैसा होगा।
(ख) प्रवाही जलयान	0.50	—	पत्तन पर शुल्क अदा करने से पुनः शुल्क अदा करने की जिम्मेदारी से साठ दिनों की अवधि के लिए जहाज को छूट मिल जायेगी।
ख. 1000 टन से अधिक अवतारण करने वाले जलयान :			
1. विदेशी जलयान :			
जहाज/स्टीमर		0.26	क. 1 में दिये गये अनुसार
2. सटवर्ती जलयान :			
जहाज/स्टीमर	3.30	—	क. 2(क) में दिये गये अनुसार

अपवाद :

- (क) यात्रियों के स्थान पर स्थिरक भार लेकर पत्तन में प्रवेश करने वाले जलयान से पत्तन शुल्क के तीन-चौथाई पर पत्तन शुल्क वसूल किया जायेगा।
- (ख) भुगतान न करने वाले या सामान्य या यात्रियों को लाने वाले (भरम्भन के प्रयोजन के लिए) पत्तन में प्रवेश करने वाले जलयानों से पत्तन शुल्क का आधा वसूल किया जायेगा।

शर्तें :

टिप्पणी: (1) पत्ता "ख" में पत्तन शुल्क अदा करने के बाद क्षेत्र "क" में प्रवेश करने वाले जलयान को क्षेत्र "ख" में उनके प्रवेश करने के संबंध में पहले ही अदा कर दिए गए शुल्क की सीमा तक क्षेत्र "क" का पत्तन शुल्क अदा करने की जिम्मेदारी से छूट दे दी जायेगी।

क्षेत्र "क" से पत्तन शुल्क अदा करने के बाद क्षेत्र "ख" में प्रवेश करने वाले जलयान पर क्षेत्र "ख" में उनके प्रवेश करने पर किसी प्रकार का पत्तन शुल्क अदा करने की जिम्मेदारी नहीं होगी।

(2) निम्न रजिस्टर्ड टनेज सामान और यात्रियों के लिए सभी उनाव्ध स्थान की क्यूबिक क्षमता होगी। इसी टनेज पर सभी जहाजों से पत्तन शुल्क वसूल किया जाता है। तटवर्ती स्टीमरों के संबंध में पत्तन शुल्क के निर्धारण के लिए गोदी सामान छोड़ दिया जायेगा, हालांकि निर्धारण के प्रयोजन के लिए इसे शामिल किया जाएगा, ऐसा तब किया जाएगा जब विदेशी स्टीमरों के संबंध में सामान गोदी पर न जाया गया हो।

(3) आधे टन का भाग और उससे अधिक एक टन गिना जाएगा और आधे से कम को छोड़ दिया जाएगा।

(4) तटवर्ती जलयान के संबंध में छूट की अवधि की समाप्ति की गणना करते समय अदायगी के दिन की गणना साठ दिनों में कर ली जाए और प्रवेश करने के दिन की गणना अदायगी दिन के रूप में की जाए, चाहे शुल्क की अदागी प्रवेश दिन को या उसके बाद की गयी हो और जिस तारीख को गृहकों की देनदारी आधारित है, वह तारीख यह है जिस पर जलयान भौगोलिक सीमाओं को पार कर जाता है और न कि वह दिन जिसको वह पत्तन या सीमा शुल्क कार्यालय में प्रवेश करता है।

(5) पत्तन शुल्क निम्नलिखित पर नहीं लगाया जाएगा :

- (1) 15 टन से कम जलयान,
- (2) अन्य भारतीयों पत्तनों के जलयान,

(6) पत्तन शुल्कों को लगाने के प्रयोजन के लिए जलयान को एक न माना जाए और तटवर्ती जहाज या स्टीमर और विदेशी जहाज या स्टीमर दोनों की एक यात्रा मानी जाए, लेकिन ऐसी यात्राओं के संबंध में पत्तन शुल्क ऐसे जलयानों पर या तो वे तटवर्ती या विदेशी जहाज या स्टीमर के रूप में हैं, उच्चतर वर पर लगायी जाएगी।

(7) अपने निजी उपयोग केवल रसद, पानी, बंकर, कोयला या तरल ईंधन लेने के लिए पत्तन में प्रवेश करने वाले जलयानों से आधी दरों पर पत्तन शुल्क वसूल किया जायेगा।

(8) भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 46 के अंतर्गत तीन-चौथाई पत्तन शुल्क अदा करने के बाद जो तटवर्ती जलयान सामान या यात्री या स्थिरक भार लेकर छूट की अवधि के अंदर पत्तन में फिर से प्रवेश करता होता है तो इसके अन्तर वसूल किया जाएगा अर्थात् पिछली बार रियायत किया गया एक-चौथाई पत्तन शुल्क।

(9) भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 47 के अंतर्गत आधा पत्तन शुल्क अदा करने के बाद जो तटवर्ती जलयान, सामान या यात्री या स्थिरक भार लेकर छूट की अवधि के अंतर पत्तन में फिर से प्रवेश करता है तो उसके अन्तर वसूल किया जाएगा अर्थात् पिछली बार रियायत किया गया आधा शुल्क।

(10) क्षेत्र "क" या क्षेत्र "ख" में जलयान की स्थिति के बारे में किसी प्रकार का विवाद होने पर उप मंत्रक्षक या उसके किसी अधिकृत अधिकारी का निर्णय अंतिम माना जाएगा।

[फा. सं. पी. आर-14012/7/92-पी. जी.]
अशोक जोशी, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st June, 1992

G.S.R. 572(E).—In exercise of powers conferred under sub-section 1 of section 33 read with section 34 of Indian Ports Act 1908 (15 of 1908) and in continuation of the Notification of the Govt. of India in the Ministry of Surface Transport Communication GSR No. 104 (E) dated 18-2-92 the Central Govt. hereby directs that from the day following the expiration of sixty days from the date of publication of this notification in the Official Gazette,

Port dues shall be levied on each of the coasting vessels and foreign vessels entering Zone A and Zone B of the Port Tuticorin described in column (1) of the 'Schedule' hereto annexed at the rates specified in the corresponding entry in columns (2) and (3) respectively at the intervals specified in the corresponding entry in column (4) of the said Schedule.

The foreign vessels shall be charged port dues at the rates notified in US Dollars and the same collected in Indian Rupees at the exchange rate notified by RBI on the date of arrival of the vessel.

SCHEDULE—PORT DUES

Vessels chargeable (sea-going vessels of 15 tonnes and upwards)	Rate of Port dues per NRT in Rupees	Rate of Port dues per NRT in US Dollars	Frequency of payment in respect of the same vessel
1	2	3	4
A. Vessels Handling 1000 Tonnes or Less.			
1. Foreign vessels :			
(a) Ships/steamers	—	0.19	The due is payable on each entry into the Port.
(b) Sailing vessel	—	0.08	
2. Coasting vessels :			
(a) Ships/steamers	2.60	—	The due is payable once in sixty days provided the payment of the dues once made shall be valid only for 3 entries into the Port (including the entry on which the payment was made) during the said period of 60 days.
(b) Sailing vessels	0.50	—	The payment of the due at the port will exempt the vessel for a period of 60 days from the liability to pay the due again.
B. Vessels Handling more than 1000 tonnes			
1. Foreign vessels :			
Ships/steamers	—	0.26	As in A.1
2. Coasting vessels :			
Ships/steamers	3.30	—	As in A.2(a)

Exception :

- Vessel entering the Port in ballast and not carrying passengers shall be charged with the Port dues at three-fourth of the Port dues.
- Vessels entering the Port but not discharging or taking in any cargo or passenger (for purpose of repair) shall be charged with half of the Port dues.

Terms and conditions :—

Notes :

1. Vessels entering the Zone A for services after having paid port dues at Zone B shall be exempted from the liability to pay the Port dues of Zone A to the extent of the port dues already paid in respect of their entry in Zone B.

Vessels entering Zone B after having paid port dues at Zone A shall not be liable for payment of any Port dues on their entry in Zone B.

2. Net Registered Tonnage is the cubic capacity of all available space for cargo and passengers. It is on this tonnage all ships are charged port dues. Deck cargo will be exempted from assessment of port dues in respect of coasting steamers, while it will be included for purposes of assessment when and if cargo is carried on deck in respect of foreign steamers.

3. Fractions of half a tonne and above shall be counted as one tonne and less than half a tonne ignored.

4. In calculating the expiration of the period of exemption in respect of Coasting vessels, the day of payment should be reckoned as one of the sixty days, and the day of entry should be reckoned as the day of payment, whether the dues are actually paid on the day of entry or subsequently, and the date on which the liability to dues is based on which vessel passes the geographical limits of a port and not the day she enters at the Port or Customs office.

5. Port dues shall not be levied on :

(i) Vessels of less than 15 tonnes;

(ii) Vessels belonging to other Indian Ports.

6. For the purpose of the levy of port dues, a vessel shall not be deemed during one and the same voyage to be both a coasting ship or steamer and a foreign ship or steamer, but port dues shall, in respect of such voyage, be leviable on such vessel either as a coasting or a foreign ship or steamer, whichever rate is higher.

7. Vessels entering the port and taking in only provisions, water, bunker, coal or liquid fuel for their own consumption shall be charged port dues at half rates.

8. A coasting vessel which after paying three-fourth port dues under section 46 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) re-enters the port within the period of exemption with cargo or passengers or in ballast shall be charged the difference viz., one-fourth port dues previously conceded.

9. Coasting vessels which, after paying half port dues under section 47 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) re-enters the Port within the period of exemption with cargo or passengers or in ballast shall be charged the differences, viz., the half previously conceded.

10. In the event of any dispute regarding the position of a vessel either in Zone A or in Zone B, the decision of the Deputy Conservator or his authorised officers shall be final.

[File No. PR-14012/7/92-PG]
ASHOKE JOSHI, Jt. Secy.

